Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 16, Issue No. 4, March-2019, ISSN 2230-7540

हिन्द महासागर में चीन का बढ़ता हुआ कद भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती

Dr. Sonu*

Extension Lecturer in Political Science, Govt. College for Women Badhra, Charkhi Dadri, Haryana

शोध सार: *भारत विश्व का अकेला ऐसा देश है जिसका नाम किसी महासागर के नाम पर पड़ा है। हिन्द महासागर भारत को तीन किनारों से छूता है। हिन्द महासागर का भारत की आर्थिक व्यवस्था तथा सुरक्षा की दृष्टि से अत्याधिक महत्व है। जहां भारत का कुल व्यापार का 75% भाग हिन्द महासागर से होता है। हिन्द महासागर प्राकृतिक प्रहरी की तरह भारत की सुरक्षा भी करता है। भारत ऊर्जा की आपूर्ति व संसाधनों के लिए हिन्द महासागर से प्राप्त कच्चे माल पर आश्रित है। लेकिन वर्तमान समय में हिन्द महासागर विश्व का ऐसा क्षेत्र है जो अस्थिर व अशांत है। हिन्द महासागर आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक दृष्टि से अधिक महत्व रखता है। जिस कारण विश्व के शक्तिशाली देशों में हिन्द महासागर पर अपना प्रभुत्व जमाने की होड़ लगी रही है। इस प्रतिद्वन्द्वता के कारण भारत अपनी सुरक्षा को खतरे की नजर से देखता है। भारत अपनी सुरक्षा और हिन्द महासागर में अनेक छोटे-छोटे देशों की सुरक्षा के लिए रूची लेता है। दिन-प्रतिदिन चीन की हिन्द महासागर में बढ़ती हुई गतिविधियां भारत की सुरक्षा के लिए समस्या बनती जा रही है। अतः प्रस्तुत शोध पत्र में भारत और अन्य की सुरक्षा को मध्य नजर रखते हुए विचार-विमर्श किया गया है।*

मुख्य शब्दः- *प्रतिद्वन्द्वता, अभिवृद्धि, हिमत्क्षेस।*

----------X----------

प्रस्तावना:

हिन्द महासागर विश्व का तीसरा बड़ा सागर है। यह 10,400 किलोमीटर लम्बा, 9600 किलोमीटर चैड़ा है। यह विश्व के 20.3% समुद्री क्षेत्र में फैला हुआ है और 47 राज्य इसके तटों को छूते है। यह मेंलक्का जलऽयरूमध्य तथा स्वेज नहर के बीच से यह प्रशांत महासागर के तीन महाद्विपों को छूता है। हिन्द महासागर का महत्व उसके जलमार्गो और उसके क्षेत्र में उपलब्ध कच्चे माल के कारण अत्याधिक है। इसके गर्भ में उपलब्ध कच्चे माल का भण्डार महाशक्तियों के प्रतिद्वन्द्वता का कारण है। हिन्द महासागर में विश्व का कच्चा माल निम्न मात्रा में पाया जाता हैंः-

तेल	37%
रबड़	90%
टिन	70%
सोना	79%
मैग्जीन	28%
क्रोमियम	27%
लोहा	16%
टंगस्टन	11.5%
निकल	11%
जिंक	10%
हीरे	98%
यूरेनियम	60%

इन कच्चे तत्वों को पाने के कारण ही इस समय हिन्द महासागर में भारतीय नौ सैनिक बेड़ा, अमेरिका का सातवां बेड़ा, रूस की पनडुब्बियां और चीन की बढ़ती हुई गतिविधियां देखी जाती है। जो भविष्य में तीसरे विश्व युद्ध का संकेत हो सकती है।

www.ignited.in

उद्देश्य

1. हिन्द महासागर के क्षेत्र शांति का क्षेत्र घोषित करना जिस कारण भारत अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सके।

2. हिन्द महासागर के तटीय राज्यों एवं क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक सांझा रणनीति तैयार करना।

3. वर्तमान और भविष्य में सामुंद्रिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए महासागर क्षेत्र के राज्यों की सुरक्षा व्यवस्था करना।

4. इस क्षेत्र में मानवीय सहायता व आपदा राहत को बढ़ावा देना।

5. सामुद्रिक क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए नए क्षेत्रों की पहचान करना।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध पत्र को पूरा करने के लिए पुस्तको से संकलित सामग्री, समाचार पत्र व पत्रिकाओं से प्राप्त तथ्य व जनरल तथा इण्टरनेट का सहारा लिया गया है। पूरा शोध पत्र द्वितीय स्त्रोतों पर निर्भर है।

हिन्द महासागर में चीन की उपस्थिति व भारत की सुरक्षा

वर्तमान समय में चीन हिन्द महासागर में अपना प्रभाव बढ़ाने लगा है। सोवियत संघ रिक्तता की पूर्ति एवं वैश्विक स्तर पर अपनी शक्ति की अभिवृद्धि हेतू व्यावसायिक व नौसेना में चीन की बढ़ रही गतिविधियां हिन्द महासागर क्षेत्र की सुरक्षा में अत्याधिक चिन्ता का विषय है। चीन की 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' की त्रिस्तरीयवादी नीतियां संघर्ष के नए सोपान की घोतक है। जिसके अन्तर्गत 2000 से 2020 तक हिन्द महासागर क्षेत्र में एअरक्राप्ट करियर, नाभिकीय परमाणु पनडुब्बियां, बौलिस्टिक व क्रूज मिशाइल की संख्या बढ़ाकर वर्चस्व नीति निर्धारित की है।

चीन एशिया का शक्तिशाली देश है। भारत की एशिश उपमहाद्वीप में तेजी से बढ़ती हुई आर्थिक व्यवस्था है। समय-समय पर चीन के द्वारा भारत विरोधी नीति अपनाई जा रही है। चाहे वह भारत का सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्य का मुद्दा हो या भारत का छैळ में सदस्यता का हो चीन हमेशा भारत के विरूद्ध रहा है। चीन द्वारा पाकिस्तान से मिलकर भारत को घेरने की रणनीति बनाई जा रही है। चीन पाकिस्तान के साथ मिलकर ग्वादर बन्दरगाह को विकसित कर रहा है तथा मालद्वीप में भी आधुनिक पोर्ट का विकास कर रहा है। इस प्रकार चीन का बढ़ता हुआ प्रभाव कद सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि हिन्द महासागर के तटवर्ती राज्यों के लिए सुरक्षा का खतरा बन रहा है।

भारत ने अपनी सुरक्षा तथा हिन्द महासागर में चीन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए फ्रांस की सहायता से अत्याधुनिक तकनीक से सम्पन्न 'समरी कलावरी' व INS खंदेरी पनडुब्बियों का निर्माण किया है। भारत की ये पनडुब्बियां दुनिया की शक्तिशाली पनडुब्बियों में से एक है। यह 40-50 दिन पानी के अन्दर रह सकती है तथा यह रडार की पकड़ में नहीं आती। इसके अलावा भारत ने हिन्द महासागर में चीन को घेरने के लिए अमेरिका से हाथ बढ़ाया है तथा हिन्द महासागर में चीन की गतिविधियों को खत्म करने के लिए एक चक्र-ब्यूह की रचना की है। जिसके एक छोर पर खुद भारत है तथा दूसरे छोर पर विश्व का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका है।

निष्कर्ष

भारत ने हमेशा ही हिन्द महासागर को शान्ति का क्षेत्र घोषित करने का प्रयास किया है। लेकिन बड़े राष्ट्र हिन्द महासागर को शान्ति क्षेत्र बनाने के भारतीय दृष्टिकोण से सहमत नहीं है। भारत के अतिरिक्त हिन्द महासागर तटीय क्षेत्रीय सहयोग संगठन (हिमतक्षेत्र) भी हिन्द महासागर के तटीय देशों में सहयोग बढ़ाने के लिए आस्तित्व में आया है। आज सभी देश यह देख रहे है कि हिन्द महासागर की शान्तिमय जल विस्तार और उसके ऊपर आकाश के लिए संघर्ष के एक खेमे के वे राष्ट्र है जो वास्तव में इस ध्येय के लिए संघर्ष कर रहे हैं तथा दूसरे वे है जो इनका विरोध कर रहे है। यदि हिन्द महासागर को शान्ति का क्षेत्र घोषित नहीं किया जाता तो यह केवल भारत के लिए ही नहीं बल्कि समूचे विश्व के लिए तीसरे विश्व युद्ध की उत्पति का कारण होगा।

संदर्भ सूची

1. एस.आर. महलात्रा. इण्डियन फॉरेन पॉलिसीज - दि नेहरू, सं. 1975

www.ignited.in

2. जे. एन. दीक्षित भारत की विदेश नीति तथा इसके पड़ोसी, 2005

3. डॉ. राजबाला सिंह, भारत की विदेश नीति, 2005

4. डॉ. पी. एल. फाड़िया, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति, साहित्य भवन धारा, 2010

5. राष्ट्रीय सहारा समाचार पत्र 21 नवम्बर 2016

6. जन सत्ता समाचार पत्र जनवरी 2017

7. राजेश मिश्रा, भारत की विदेश नीति, सरस्वती पब्लिकेशन, 2014

8. डॉ. संजय कुमार और मनुराग जायसवाल, युद्ध एक शान्ति की अवधारणा 2007

Corresponding Author

Dr. Sonu*

Extension Lecturer in Political Science, Govt. College for Women Badhra, Charkhi Dadri, Haryana

bhardwajsonu80@gmail.com